दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 06 अक्टूबर 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 11

महत्वपूर्ण एवं खास

कुशीनगर दुर्घटना में दो की हुई मौत, तीन बुरी तरह घायल

कुशीनगर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में कप्तानगंज थाना क्षेत्र में अनियंत्रित कार पेड़ से टकराकर गड्ढे में गिर गई। इस दौरान कार में सवार दो युवकों की मौत हो गई। वहीं तीन घायलों को मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर किया गया है। कार सवार पांच युवक कप्तानगंज के निवासी है। बताया जाता है कि कप्तानगंज थाना के बोदरवार और घोघरा गांव के बीच पांच युवक कार से भोर में पांच बजे के लगभग गोरखपुर से वर्थडे पार्टी मनाकर आ रहे थे। तेज रफ्तार के कारण कार अनियंत्रित हो गई और पलट गई। जिसमें कार में अगले सीट पर बैठे कार सवार अरमान पुत्र सलाउद्दीन शाह; उम्र17 वर्षद्ध निवासी वार्ड नं 9 कप्तानगंज तथा दीपक चौधरी पुत्र गणेश चौधरी ; उम्र 17 वर्षद्ध निवासी वार्ड नं 13 कप्तानगंज की मौत हो गई। इनके शव कार में फंस गए थे। घायलों में कप्तानगंज कस्बे के वार्ड 15 निवासी विवेक यादव ;16द्ध पुत्र चंद्रभान यादवए वार्ड न 01 निवासीए नीरज यादव ;17द्ध पुत्र नाथू यादव और वार्ड न 07 निवासी अमन यादव ;18द्ध पुत्र बाकेलाल को कप्तानगंज सीएचसी में इलाज करने के बाद मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया है। इस घटना पर मौके पर उपजिलाधिकारी कप्तानगंज व्यास नारायण उमराव पहुंचे थे। तथा पुलिस चौकी बोदरवार की पुलिस ही लाश को पोस्ट मार्टन हेतु भेजा।

हाईकोर्ट को जमानत देने के अपने आदेश की समीक्षा करने की इजाजत नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हाई कोर्ट को जमानत देने के अपने ही आदेश की समीक्षा करने की अनुमति नहीं है, जब तक कि जमानत रद्द करने के लिए वैध आधार उपलब्ध न हो। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने बुधवार को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा पारित एक आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि आरोपी को पहले दी गई जमानत को रद्द करने का कोई आधार नहीं बनता है। पीठ ने आदेश दिया, इसलिए, 31 मार्च, 2023 के विवादित आदेश को रद्द किया जाता है और अपीलकर्ता को जमानत देने का 22 फरवरी, 2023 का पिछला आदेश बहाल किया जाता है। अपने आदेश में, हाई कोर्ट ने यह कहते हुए जमानत रद्द कर दी थी कि उसने आरोपी की जमानत याचिका इस आधार पर स्वीकार की थी कि पाए गए गांजा की कुल मात्रा 20 किलो 50 ग्राम थी, जबकि सही मात्रा 101 किलोग्राम थी।

बागपत में अंतरराज्यीय वाहन चोर गैंग का पर्दाफाश, 3 चोर गिरफ्तार

बागपत (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले की बालैनी थाना पुलिस ने अन्तर्राज्यीय वाहन चोरों के गैंग का पर्दाफाश करते हुए 3 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 6 चोरी की बाइक, एक तमंचा 12 बोर और एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। पुलिस ने पुलिस ने रितिक पुत्र प्रदीप, शनी पुत्र राजकुमार और रितिक पुत्र मुकेश को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह का सरगना रितिक है। शनी और रितिक गैंग के सक्रिय सदस्य हैं। अभियुक्तगण रेकी करके दो पहिया वाहनों को मास्टर चाबी से लॉक खोलकर चोरी करते थे। चोरी के बाद गैंग बाइक सस्ते दामों में बेचकर पैसा कमाता है। पूछताछ में गैंग ने बताया है कि मेरठ, गाजियाबाद, दिल्ली-एनसीआर और बागपत से दो पहिया वाहनों की चोरी की है। इनके खिलाफ बालैनी थाने में चोरी के कई मामले भी दर्ज हैं।

सिक्किम में बाढ़ से 14 की मौत, 22 जवानों समेत 102 लोग लापता

गंगटोक। सिक्किम में बादल फटने के बाद तीस्ता नदी में अचानक आई बाढ़ से तबाही का मंजर है. अब मरने वालों का आंकड़ा पहले से बढ़ गया है. अब तक10 लोगों की मौत की खबर थी लेकिन यह संख्या बढ़कर अब 14 हो गई है.वहीं सेना के 22 जवानों समेत 102 लोग लापता हैं. बादल फटने से आई बाढ़ की वजह से गंगटोक में 3 लोगों की मौत हो गई है और 22 लोग लापता और 5 लोग घायल हैं. मंगन में 4 लोगों की जान गई है और 16 लोगों का कुछ भी अता-पता नहीं है. पाक्योंग में 7 लोगों की मौत हुई है और 59 लोग और 23 आर्मी के जवान लापता हुए हैं और 21 लोग घायल हुए हैं. नामची में बाढ़ की वजह से किसी की भी जान नहीं गई है और 5 लोग लापता हैं

बादल फटने और बाढ़ की वजह से 26 लोग घायल हुए हैं जिनको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है. वहीं 22 हजार से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं. 1 हजार से ज्यादा लोगों को बाढ़ प्रभावित इलाकों से बाहर निकाला गया है. प्रभावित क्षेत्रों में बहु-एजेंसी खोज और रहात- बचाव अभियान जारी है. भारतीय सेना और एनडीआरएफ सर्च ऑपेरशन चला रही है. वही वायुसेना को स्टैंडबाय पर रखा गया है. खराब हालात को देखते हुए एनडीआरएफ की अतिरिक्त टीमें सिक्किम भेजी जाएंगी.

सेना ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर्स- बाढ़ के हालात के बाद अपनों को तलाश रहे लोगों की मदद के लिए आर्मी की तरफ से हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है.जिसपर आप संपर्क करके जानकारी हासिल कर सकते हैं. ईस्ट सिक्किम आर्मी से 8756991895, नॉर्थ सिक्किम आर्मी से 8750887741 इन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है. वहीं लापता जवानों के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए 7588302011 नंबर आर्मी की तरफ से जारी किया जा सकता है.

ल्होनक झील पर बादल फटने के बाद आई तबाही- बता दें कि मंगलवार रात को उत्तरी सिक्किम में ल्होनक झील पर अचानक बादल फट गया था, जिसकी वजह से तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आ गई. तीस्ता बाढ़ आने की वजह से ल्होनक झील का करीब 65 प्रतिशत हिस्सा बह गया है. नदी किनारे बना आर्मी कैंप भी बाढ़ की चपेट में आ गया, जिसकी वजह से सेना के जवान भी पानी में बह गए. यहां पर खड़ी करीब 41 गाड़ियां भी जलमग्न हो गईं. शुरुआती रिपोर्ट में बाढ़ की वजह से 10 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई थी, जिनमें सेना के कई जवान भी शामिल थे. लेकिन अब मौतों का आंकड़ा बढ़कर 14 हो गया है.

मरने वालों का आंकड़ा बढ़ा, हो रही पहचान- बाढ़ में जान गंवाने वालों में 10 लोगों की पहचान आम नागरिक के रूप में की गई है, बाकी के चार लोगों के बारे में अभी कुछ भी पता नहीं चल सका है. अधिकारियों के मुताबिक मंगलवार को बादल फटने के बाद चुंगथांग बांध से पानी छोड़े जाने की वजह से रात को करीब डेढ़ बजे भयंकर बाढ़ के हालात पैदा हो गए. खबर के मुताबिक देशभर से सिक्किम पहुंचे 3000 से ज्यादा पर्यटक इस आपदा की वजह से वहां फंसे हुए हैं. यह जानकारी सिक्किम के मुख्य सचिव वी बी पाठक की तरफ से दी गई है. भीषण बाढ़ की वजह से काफी नुकसान भी हुआ है. 14 पुल बह गए हैं.

इंडियन नेवी 14 ने विकसित किया एंटी स्वार्म ड्रोन हथियार, युद्धक जहाजों की ड्रोन हमले से करेगा रक्षा

नई दिल्ली (आरएनएस)। आज के समय की पारंपरिक लड़ाईयों में ड्रोन्स काफी अहम हो गए हैं और रूस-यूक्रेन युद्ध ये यह बात साबित भी हो गई है। यही वजह है कि विभिन्न देशों की सेनाएं ऐसे हथियार विकसित कर रही हैं, जो उन्हें ड्रोन्स के हमले से बचाएं। भारतीय नौसेना ने भी इस दिशा में बड़ी कामयाबी हासिल की है। दरअसल नौसेना ने एक ऐसा हथियार विकसित किया है जो उसके युद्धक जहाजों को ड्रोन के हमले से बचाएगा।

भारतीय नौसेना ने 30 एमएम का एक ऐसा हथियार विकसित किया है जो स्वार्म ड्रोन्स के हमले से बचाएगा। इस हथियार की खासियत ये है कि यह हवा में युद्धक जहाज के आसपास एक रक्षा कवच बना सकता है, जिससे स्वार्म ड्रोन्स को खत्म किया जा सकता है। कमांडर एमएन पाशा ने बताया कि यह हथियार 300 स्टील की बॉल्स छोड़ता है जो जिससे इस एक हथियार से एक ही बार में कई ड्रोन्स को निशाना बनाया जा सकता है। इस हथियार को एके-630 वेपन सिस्टम से फायर किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि यह हथियार स्वार्म ड्रोन्स के खिलाफ हमले में काफी प्रभावी पाया गया है और इसके लैब ट्रायल्स भी पूरे हो गए हैं।

पुलिस कर्मी ने गोली मार पत्नी और दो बच्चों को उतारा मौत के घाट, खुद भी दे दी जान

कडप्पा (आरएनएस)। कडप्पा शहर में गुरुवार को एक पुलिस कांस्टेबल ने अपनी पत्नी और दो बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर उसी हथियार से खुद को भी मार लिया। सिपाही ने पत्नी और दोनों बेटियों पर तमंचे से गोली चला दी, इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मार ली।

पुलिस ने बताया कि वेंकटेश्वरलु टू टाउन पुलिस स्टेशन में राइटर के पद पर कार्यरत थे। घटना शहर के कोऑपरेटिव कॉलोनी में पुलिस कांस्टेबल के घर पर हुई।

पुलिस को संदेह है कि कांस्टेबल ने बुधवार देर रात और गुरुवार तडक़े के बीच वारदात को अंजाम दिया। पुलिस को घर में एक सुसाइड नोट मिला। उन्होंने लिखा कि वह निजी कारणों से यह कदम उठा रहे हैं। उन्होंने लिखा कि उनकी संपत्ति और नौकरी उनकी दूसरी पत्नी व दूसरी पत्नी से पैदा हुए बेटे को दे दी जाए।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि वेंकटेश्वरलू बुधवार रात 11 बजे तक पुलिस स्टेशन में थे। वह पुलिस स्टेशन से एक हथियार घर ले आए और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू कर दी।

फोर्ब्स ने जारी की 400 सबसे अमीर लोगों की सूची, मस्क पहले नंबर पर

सैन फ्रांसिस्को। फोर्ब्स ने 2023 के अमेरिका के 400 सबसे अमीर लोगों की सूची जारी की, जिसमें इस बार भी टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क 251 अरब डॉलर की अनुमानित संपत्ति के साथ पहले स्थान पर हैं। उन्होंने अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और ओरेकल के सह-संस्थापक लैरी एलिसन को पीछे छोड़ दिया है।

फोर्ब्स के अनुसार, मस्क की संपत्ति पिछले साल के बराबर ही है। दूसरे स्थान पर मौजूद बेजोस से 90 अरब डॉलर अधिक है, जिनकी अनुमानित संपत्ति 161 अरब डॉलर है। पिछले साल ट्विटर (अब एक्स) के लिए 44 बिलियन डॉलर का भुगतान करने के बावजूद, उन्होंने अपनी संपत्ति बरकरार रखी है। इसमें उनकी रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स के चलते पांच गुना वृद्धि हुई है, जिसकी कीमत अब चार साल बाद 150 अरब डॉलर है।

टॉप 20 में से 9 की संपत्ति 100 अरब डॉलर या उससे अधिक है, जो अब तक की सबसे ज्यादा संपत्ति है, और पिछले साल केवल 4 से अधिक है। वहीं, ओरेकल के सह-संस्थापक लैरी एलिसन 158 अरब डॉलर की अनुमानित संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर हैं। फोर्ब्स ने कहा कि इस साल अमेरिका में कोई भी उनसे ज्यादा अमीर नहीं बन पाया है, जो अपनी सॉफ्टवेयर कंपनी के शेयरों को बढ़ाने वाले जेनेरिक एआई क्रेज के कारण 57 अरब डॉलर ज्यादा अमीर हैं।

गूगल के सह-संस्थापक लैरी पेज पांचवें स्थान पर हैं। इस साल उन्होंने अपनी मूल कंपनी अल्फाबेट के शेयरों में 26 प्रतिशत की उछाल के कारण 21 बिलियन डॉलर की संपत्ति प्राप्त की। उनकी संपत्ति अब 114 अरब डॉलर आंकी गई है।

माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स, जो कभी दुनिया के सबसे अमीर आदमी हुआ करते थे, अब 111 अरब डॉलर की अनुमानित संपत्ति के साथ अमेरिका की सूची में छठे स्थान पर हैं, जबकि पेज के गूगल के सह-संस्थापक सर्गेई ब्रिन 110 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ सातवें नंबर पर हैं।

मेटा के संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग और मस्क के बीच इस साल तनातनी देखने को मिली। जुकरबर्ग एआई में शुरुआती निवेश के चलते 106 बिलियन डॉलर के साथ मजबूती से खड़े रहे। माइक्रोसॉफ्ट के पूर्व सीईओ स्टीव बाल्मर 101 बिलियन डॉलर के साथ नौवें स्थान पर हैं।

देश में फिर पैदा हो सकती है 2008 जैसी वैश्विक मंदी की स्थिति : मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों पर जताई गंभीर चिंता

नई दिल्ली । पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इससे 2008 की विनाशकारी स्थिति दोहराई जा सकती है, जब तेल कीमतें आसमान छू गईं और मांग घटने पर गिर गईं। पुरी ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति की मात्रा के साथ जहां ब्याज दरों में बढ़ोतरी अतिरिक्त तरलता को खत्म करने में सक्षम नहीं है, आपके सामने ऐसी स्थिति होगी, जब तेल की कीमतें 2008 के परिदृश्य को दोहराएंगी।

उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या वैश्विक अर्थव्यवस्था फिर से 2008 की आर्थिक उथल-पुथल जैसी स्थिति का गवाह बनने जा रही है, जो एक स्व-पूर्ति की भविष्यवाणी बन गई थी। ब्रेंट की कीमतें शुरुआत में जनवरी 2008 में 93.60 डॉलर प्रति बीबीएल से बढक़र जुलाई 2008 में 134.3 डॉलर प्रति बीबीएल हो गई थीं, जिससे वैश्विक आर्थिक मंदी में तेजी आई, जिससे अंतत: मांग कम हो गई, तब तेल की कीमतें बहुत कम हो गईं।

मंत्री ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण पिछले 18 महीनों में दुनियाभर में लगभग 10 करोड़ लोग घोर गरीबी में फंस गए हैं। हाल के सप्ताहों में कच्चे तेल की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर कारोबार कर रही हैं, क्योंकि सऊदी अरब और रूस के नेतृत्व में प्रमुख तेल उत्पादक देशों ने कीमतें बढ़ाने के लिए आपूर्ति में कटौती की है।

भारत के मंत्री ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतें लगभग 80 डॉलर प्रति बैरल या उससे थोड़ा कम देशों के लिए सुविधाजनक मूल्य सीमा होगी। उन्होंने कहा, उचित मूल्य बैंड के गठन पर स्वस्थ चर्चा करना तेल उत्पादक और उपभोक्ता सहित सभी देशों के हित में है।

पुरी ने मंगलवार को वार्षिक अबू धाबी अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम प्रदर्शनी और सम्मेलन (एडीआईपीईसी) 2023 के मौके पर ओपेक महासचिव हैथम अल-घैस से मुलाकात की और उनसे तेल बाजारों में व्यावहारिकता, संतुलन और सामर्थ्य की भावना पैदा करने के लिए अपने कार्यालय का उपयोग करने का आग्रह किया।

मणिपुर मानवाधिकार आयोग ने छात्रों के आंदोलन के दौरान पुलिस की ज्यादती पर मांगी रिपोर्ट

इंफाल (आरएनएस)। हाल ही में दो छात्राओं की हत्या के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन के कथित इस्तेमाल पर विवाद के बीच मणिपुर मानवाधिकार आयोग (एमएचआरसी) ने इंफाल पश्चिम जिले के पुलिस अधीक्षक को एक रिपोर्ट सौंपने को कहा है और पूछा है कि इंफाल में रैलियां कर रहे छात्रों के खिलाफ अत्यधिक बल प्रयोग करने का आदेश किसने दिया?

अध्यक्ष न्यायमूर्ति उत्पलेंदु बिकास साहा (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता वाले आयोग ने आयुक्त (गृह) से यह भी बताने को कहा कि मामले की सुनवाई की अगली तारीख तक या उससे पहले घायल छात्रों को कितना अंतरिम मुआवजा दिया जा सकता है। न्यायमूर्ति साहा ने बुधवार को तीन अस्पतालों का दौरा किया, जहां पेलेट गन से घायल नौ छात्रों का इलाज चल रहा है।

एमएचआरसी के सूत्रों ने कहा कि आयोग ने सिंगजामेई ओकराम लीकाई के निंगथौजम जीत सिंह और असम के शिवसागर के मुकुल फुकोन की दो शिकायतों के आधार पर मामला उठाया, शिकायतों का विषय छात्रों के शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन पर सशस्त्र बलों और सुरक्षा बलों द्वारा अमानवीय और क्रूर दुर्व्यवहार था।

शिकायतों में आरोप लगाया गया कि 26 और 27 सितंबर को 17 वर्षीय छात्रा हिजाम लिनथोइंगंबी और 6 जुलाई को 20 वर्षीय फिजाम हेमजीत की हत्या और सुरक्षा बलों द्वारा नियमों का उल्लंघन कर छात्रों पर अत्यधिक बल किया गया।

मारी गईं दोनों छात्राओं की तस्वीरें 25 सितंबर को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रसारित की गईं, जिसके बाद तीव्र आंदोलन शुरू हो गया, जिसमें सुरक्षा बलों के साथ झड़प में लड़कियों सहित कम से कम 100 छात्र घायल हो गए। झड़प तब शुरू हुई, जब उन्हें मुख्यमंत्री के बंगले की ओर मार्च करने से रोका गया।

100 घायल छात्रों में से कम से कम दस पैलेट गन से गंभीर रूप से घायल हो गए। शिकायतकर्ताओं ने अपनी याचिका में यह भी आरोप लगाया कि राज्य पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय बलों ने शांतिपूर्ण छात्रों पर बिना किसी चेतावनी के अत्यधिक बल का प्रयोग किया, जब वे रैली निकाल रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप कई छात्र घायल हो गए।

आर्मी हॉस्पिटल के ईएनटी विभाग ने पिछले 18 महीनों में प्रतिरोपण के 50 ऑपरेशन कर रचा इतिहास

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली कैंट स्थित आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) के कान, नाक और गला (ईएनटी) विभाग ने पिछले 18 महीनों में मरीजों के दोनों कानों में एक साथ कॉक्लियर प्रतिरोपण के 50 ऑपरेशन किए हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह इतने सफल प्रतिरोपण ऑपरेशन करने वाला देश का एकमात्र सरकारी अस्पताल बन गया है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कॉक्लियर इम्प्लांट एक अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण है। इसके जरिए सुनने में अक्षम मरीजों को न सिर्फ सुनने में मदद मिलती है, बल्कि यह उन्हें मुख्यधारा में आने में सक्षम बनाता है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इस इम्प्लांट की कीमत हमेशा चिंता का विषय रही है, जिससे इसकी पहुंच सीमित हो गई। सरकार द्वारा वित्त पोषित अधिकांश कार्यक्रमों में बच्चों को केवल एक कॉक्लियर इम्प्लांट दिया जाता है।

हालांकि दोनों कानों से सुनने का लाभ इसकी कीमत से कहीं ज्यादा है और सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा ने इस बात को तत्काल महसूस किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मार्च 2022 में, सशस्त्र बलों में श्रवण-बाधित रोगियों के लिए कॉक्लियर इम्प्लांट की नीति को संशोधित किया गया। इसमें एक साथ दोनों कानों में प्रतिरोपण को शामिल किया गया। चिकित्सा मानकों को विकसित देशों के बराबर लाने वाली यह देश की पहली नीति थी।

डीजी सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा लेफ्टिनेंट जनरल दलजीत सिंह और डीजीएमएस (सेना) लेफ्टिनेंट जनरल अरिंदम चटर्जी ने इसके लिए आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) को बधाई दी है और संस्थान को और अधिक सम्मान मिलने की कामना की है।

आर्मी हॉस्पिटल (आर एंड आर) सशस्त्र बलों का शीर्ष अस्पताल है और इस समय इसकी कमान लेफ्टिनेंट जनरल अजित नीलकांतन के पास है, जो ईएनटी और हेड एंड नेक ऑन्कोसर्जरी के विशेषज्ञ हैं।

स्कूल ड्रॉप आउट रोकने के लिए 'राष्ट्रीय साधन-सह-मेधा छात्रवृत्ति' शुरू

❐ हर साल 12 हजार रुपए देगी सरकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। छात्रों के स्कूल ड्रॉप आउट की समस्या से निपटने के लिए एक खास स्कॉलरशिप 'राष्ट्रीय साधन-सह-मेधा छात्रवृत्ति' शुरू की गई है। यह छात्रवृत्ति खास तौर पर इसलिए डिजाइन की गई है ताकि स्कूलों में पढऩे वाले बच्चे आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई न छोड़ें। छात्रवृत्ति की राशि 12,000 रुपए प्रति वर्ष है। इस योजना के तहत एक लाख छात्रवृत्तियां दी जा रही हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, वर्ष 2023-24 के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) पर छात्रवृत्ति के आवेदनों की ऑनलाइन जमा या पंजीकरण की प्रक्रिया 1 अक्टूबर 2023 को शुरू हो गई। 'राष्ट्रीय साधन-सह-मेधा छात्रवृत्ति (एनएमएमएसएस) योजना' के तहत कक्षा 9 से कक्षा 12 तक के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी छात्रों को आठवीं कक्षा में पढ़ाई बीच में छोडऩे की समस्या को कम करने के लिए है।

इसके साथ ही नवीन से 12वीं कक्षा के छात्रों को माध्यमिक स्तर पर अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि राज्य सरकार, सरकारी सहायता प्राप्त और स्थानीय निकाय स्कूलों में पढऩे वाले छात्रों के लिए प्रत्येक वर्ष कक्षा 9 से चयनित छात्रों को कक्षा 10 से 12 में उनके नवीनीकरण पर एक लाख नई छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं। नेशनल मीन्स-कम-मेरिट स्कॉलरशिप स्कीम (एनएमएमएसएस) को नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) पर उपलब्ध कराया गया है। यह छात्रों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म है।

एनएमएमएसएस छात्रवृत्ति डीबीटी मोड के बाद सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसफर द्वारा सीधे चयनित छात्रों के बैंक खातों में वितरित की जाती है। यह केंद्र सरकार की योजना है। वे छात्र जिनके माता-पिता की सभी स्रोतों से आय प्रति वर्ष 3,50,000 रुपए से अधिक नहीं है, वे छात्रवृत्ति का लाभ उठाने के पात्र हैं। छात्रवृत्ति के पुरस्कार के लिए चयन परीक्षा में उपस्थित होने के लिए छात्रों के पास सातवीं कक्षा की परीक्षा में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक या समकक्ष ग्रेड होना चाहिए (एससी, एसटी छात्रों के लिए 5 प्रतिशत की छूट)। छात्रवृत्ति आवेदन नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर सत्यापन के दो स्तरों से गुजरते हैं। पहला स्कूल स्तर पर संस्थान नोडल अधिकारी (आईएनओ) द्वारा और दूसरा जिला नोडल अधिकारी (डीएनओ) द्वारा सत्यापित किया जाता है।